Patrika (Indore), 29th December 2022, Page – 04

आइआइटी इंदौर में 2020 बैच का सेरेमोनियल दीक्षांत समारोह हुआ, 2021 की बैच के लिए भी ऐसे समारोह के लिए किया जा रहा विचार

# ऑनलाइन मोड में हुआ था कन्वोकेशन, दो साल बाद बुलाकर किया सम्मान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. दीक्षांत समारोह में डिग्री पाने वाले ज्यादातर पासाउट विद्यार्थी वे होते हैं जो अपना स्टार्टअप शुरू करने जा रहे हैं या फिर प्लेसमेंट के बाद जॉइनिंग को तैयार हैं, लेकिन आईआईटी, इंदौर के दीक्षांत समारोह में ज्यादातर प्रोफेशनल्स को डिग्री और मेडल से नवाजा गया।

दो साल बाद फिर अपने कैंपस में पुराने दोस्तों से मिलने की खुशी उनके चेहरों पर साफ झलक रही थी। कुछ के माता-पिता भी इस अवसर के साक्षी बने। बुधवार को इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), इंदौर में 2020 बैच का सेरेमोनियल दीक्षांत समारोह रखा गया। कोविड-19 के कारण 2020 और 2021 का दीक्षांत समारोह ऑनलाइन मोड में पहले हो चुका है।

अब हुए समारोह में 412 डिग्री होल्डर्स में से 170 उपस्थित हुए। 2020 बैच में 233 बीटेक, 58 एमएससी, 57 एमटेक, 6 एमएस रिसर्च और 58 पीएचडी शामिल हैं। बीटेक में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए कम्प्यूटर साइंस के सप्तर्षि घोष को राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। सीएस में आरूषी जैन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में खुशबू आहूजा, मैकेनिकल में अगम गुप्ता, सिविल में शैले गुप्ता, मेटलर्जी इंजीनियरिंग और मैटेरियल्स साइंस में आशुतोष गुप्ता ने टॉप किया। एमटेक के मनीष बडोले और एमएससी की आंचल सक्सेना ने संस्थान रजत पदक प्राप्त किया।

चैतन्य मेहता को पेड़ पर चढने वाले चतुष्कोणीय रोबोट के डिजाइन और विकास के लिए सर्वश्रेष्ठ बीटेक प्रोजेक्ट से सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि आईआईटी खडगपुर के पूर्व निदेशक प्रोफेसर अमिताभ घोष थे। इस अवसर पर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रो. दीपक बी. पाठक और आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस जोशी भी मौजूद रहे।

## खुद की क्षमता पर रखें विश्वास

प्रो. जोशी ने कहा, आपने अपने अल्मा मैटर से जो प्रशिक्षण प्राप्त किया है, वह आपको व्यवसाय में सर्वश्रेष्ठ के बीच खड़ा होने में मदद करेगा। आपको हमेशा अपने ज्ञान की सीमाओं का विस्तार करते रहना चाहिए और इसे मानव जाति की अच्छी सेवा के लिए उपयोग में लाना चाहिए। यह डिजिटल शताब्दी चीजों को काफी हद तक बदलने जा रही है जिससे आप हमेशा यह सीख सकेंगे कि अपने क्षेत्र में प्रासंगिक बने रहने के लिए आपको हमेशा सीखने की जरूरत है।

## दूसरों के लिए बनें मूल्यवान, मददगार

प्रो. अमिताभ घोष ने कहा, पेशेवर संतुष्टि सच्ची खुशी से बहुत अलग है। आपको सच्ची खुशी तभी मिलेगी जब आपको लगे कि आप उन लोगों के लिए मूल्यवान और मददगार बन गए हैं जो आपके परिवार या दोस्तों के नहीं हैं। अभी से निर्णय लेने में सावधानी बरतें। न केवल वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखना याद रखें बल्कि यह भी समझने की कोशिश करें कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के कौन से क्षेत्र कुछ साल के बाद प्रमुख भूमिका निभाते हैं।